पाठ – हार की जीत

प्रश्न 1.
बाबा भारती कहाँ रहते थे? वहाँ क्या करते थे?
उत्तर:
बाबा भारती गाँव से बाहर एक छोटे से मंदिर में रहते थे। वहीं भगवान का भजन किया करते थे।

प्रश्न 2.
घोड़े के बारे में किसे पता चला? वह कैसा आदमी था ?
उत्तर:
घोड़े के बारे में खड्गसिंह को पता चला। वह इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे।

प्रश्न 3.
एक दिन दोपहर में खड्गसिंह किसके पास पहुँचा ? क्यों?
उत्तर:
एक दिन खड्गसिंह बाबा भारती के पास पहुँचा। वह घोड़े को देखना चाहता था ।

प्रश्न 4.
अपने सुलतान घोड़े को देखकर बाबा भारती को किस भाव का अनुभव होता था ?
उत्तर:
बाबा भारती को सुलतान घोड़े को देखकर आनंद का अनुभव होता था ।

प्रश्न 5.
अपाहिज होने का दिखावा किसने और क्यों किया था?
उत्तर:
अपाहिज होने का दिखावा डाकू खड्गसिंह ने बाबा भारती का घोड़ा प्राप्त करने के लिए किया था।

प्रश्न 6.
बाबा भारती ने खड्गसिंह से क्या प्रार्थना की थी ?
उत्तर:
बाबा भारती ने खड्गसिंह से प्रार्थना की थी कि नकली अपाहिज बनकर घोड़ा छीन ले जाने की घटना को किसी के सामने प्रकट मत करना।

प्रश्न 7.
“बाबाजी ! इसमें आपको क्या डर है?” खड्गसिंह ने किस डर की बात की?
उत्तर:
खड्गसिंह ने यह बात की क्योंकि अपाहिज द्वारा घोड़ा छीन लेने से बाबाजी की बदनामी नहीं होगी । बदनामी तो धोखा देने वाले की होती है।

प्रश्न 8.

बाबा भारती के कथन का डाकू खड्गसिंह पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:
बाबा भारती के कथन का यह प्रभाव पड़ा कि खड्गसिंह उन्हें परोपकारी देवता मानने लगा और उसने उनका घोड़ा चुपचाप लौटा दिया।